साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 6 | अंक : 01 — गोंदिया : गुरुवार, 14 अगस्त से 20 अगस्त 2025 — पृष्ठ : 06 — मूल्य : रु. 5

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के गौरवमयी 5 वर्षों की यात्रा आपके विश्वास की स्याही से, 5 वर्षों का सफर !

15 अगस्त 2020 को एक छोटे से संकल्प के साथ शुरू हुई एक बड़ी यात्रा, आज 5 सफल वर्ष पूरे कर, 6वें वर्ष में कदम रख रही है। सासाहिक बुलंद गोंदिया सिर्फ एक अखबार नहीं, यह गोंदिया की जनता की आवाज़, भावना और संघर्ष की दस्तावेज़ बन चुका है।

जनता की कलम, जनता की शक्ति

आपने हम पर जो विश्वास किया, उसी ने हमें लगातार सच कहने, सच दिखाने और सच के साथ खड़े रहने की हिम्मत दी। हमने सत्ता से सवाल पूछे, समाज के अनदेखे कोने उजागर किए, और आमजन के सुख-दुख को शब्दों में पिरोया।

5 साल - एक जिम्मेदार सफर

ईमानदार पत्रकारिता- न बिके, न झुके - सिर्फ जनता की बात। **लोकहित की आवाज़**-नागरिक अधिकार से लेकर शहरी समस्याओं तक हमने हर पहलू को प्राथमिकता दी। स्थानीय प्रतिभा का मंच =गोंदिया की युवा लेखनी और कलम को हमने स्थान दिया, सम्मान दिया। आपका अखबार = यह सिर्फ हमारा नहीं, आपका अखबार है, जो आपकी भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है।

6वें वर्ष में प्रवेश -नयी ऊर्जा, नयी चुनौतियाँ

यह वर्ष केवल जश्न का नहीं, संकल्प का है। हम वादा करते हैं और अधिक ज़मीनी पत्रकारिता युवाओं को प्रोत्साहन तकनीक के साथ कदमताल और बुलंद, बेबाक आवाज़ आप सभी पाठकों को

हार्दिक धन्यवाद.....

सासाहिक बुलंद गोंदिया की यह यात्रा आपके बिना संभव नहीं थी। आपका समर्थन, सुझाव, आलोचना और प्रेम ही हमारी सबसे बड़ी पूँजी है। चलिए, इस 6वें वर्ष में भी हम मिलकर समाज के हर सवाल, हर संघर्ष और हर समाधान की सच्ची कहानी लिखें - कलम की ताकत से ! हम हैं आपकी आवाज़ - अब भी, आगे भी ! सासाहिक बुलंद गोंदिया आपके साथ, आपके लिए

नवीन अग्रवाल
संपादक

फेक न्यूज़ के युग में प्रिंट और डिजिटल मीडिया की जिम्मेदारी

पत्रकारिता की तरक्की में प्रिंट मीडिया और डिजिटल मीडिया का योगदान, वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की चुनौतियों पर विचार करना आज के समय में न केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि लोकतंत्र के स्वास्थ्य और जनचेतना के स्तर को समझने के लिए भी आवश्यक है। पत्रकारिता मानव सभ्यता के विकास का वह स्तंभ है, जिसने सूचनाओं को समय और दूरी की सीमाओं से परे पहुंचाने का काम किया है। यह केवल घटनाओं का ब्योरा देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के विचार, विमर्श और दिशा तय करने का साधन भी है।

अगर इतिहास के पन्नों में जाएं तो पत्रकारिता की यात्रा का प्रारंभ प्रिंट मीडिया से हुआ। भारत में समाचार पत्र केवल सूचना देने का काम नहीं करते थे, बल्कि आज़ादी के आंदोलन में जनता को जागरूक करने और औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ संगठित करने का हथियार भी थे। प्रिंट मीडिया ने सूचनाओं की प्रमाणिकता, भाषा की मर्यादा, शोधपूर्ण लेखन और संपादकीय की गहराई के जरिए पत्रकारिता को एक गंभीर और विश्वसनीय पेशा बनाया। दशकों तक अखबार और पत्रिकाएं ही जनमानस के लिए खबरों का मुख्य स्त्रोत रहे। संपादकीय पृष्ठ किसी विषय पर देश की सामूहिक सोच को आकार देने वाला मंच होता था।

समय के साथ तकनीक ने पत्रकारिता के तौर-तरीके बदल दिए। टेलीविजन और रेडियो ने दृश्य-श्रव्य माध्यमों का द्वार खोला, लेकिन 21वीं सदी के पहले दशक के बाद डिजिटल मीडिया का प्रवेश पत्रकारिता में सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। इंटरनेट ने खबरों को सेकंडों में दुनिया के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुँचा देना संभव कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, न्यूज़ वेबसाइट्स और मोबाइल एप्लिकेशन ने सूचना को तात्कालिकता का नया रूप दिया। अब कोई भी व्यक्ति, चाहे वह पेशेवर पत्रकार हो या आम नागरिक, मोबाइल फोन के जरिए रिपोर्टिंग कर सकता है। इससे सूचनाओं का लोकतंत्रीकरण हुआ, और अभिव्यक्ति के नए आयाम खुले।

डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता को इंटरैक्टिव और बहुआयामी बना दिया। पाठक अब केवल निष्क्रिय उपभोक्ता नहीं रहे, बल्कि प्रतिक्रिया देकर, तथ्य-जांच करके और खुद सामग्री साझा करके सक्रिय भागीदार बन गए। इसने कई सकारात्मक परिवर्तन किए। खबरों का तेज़ प्रसार, ग्रामीण और हाशिए पर पड़े इलाकों से आवाज़ उठाना, और विविध भाषाओं व दृष्टिकोणों का समावेश। इसके अलावा, डिजिटल प्लेटफॉर्म ने पारंपरिक मीडिया के एकाधिकार को तोड़ा और छोटे-बड़े सभी संस्थानों को समान अवसर दिए।

लेकिन इस परिवर्तन के साथ कई गंभीर चुनौतियां भी सामने आईं। डिजिटल मीडिया की तात्कालिकता ने अक्सर तथ्यों की जांच की प्रक्रिया को कमजोर किया। क्लिकबेट हेडलाइंस, आधी-अधूरी या अप्रमाणित खबरें, और सोशल मीडिया पर अफवाहों का तेज़ी से फैलना, पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने लगे। प्रिंट मीडिया, जो अपनी गंभीरता और शोधपूर्ण सामग्री के लिए जाना जाता था, डिजिटल प्रतिस्पर्धा के दबाव में कहीं-कहीं सनसनीखेज़ी की दौड़ में शामिल हो गया।

वर्तमान परिदृश्य में प्रिंट और डिजिटल मीडिया दोनों ही एक-दूसरे के पूरक और प्रतिस्पर्धी हैं। अखबार अब ऑनलाइन संस्करण चलाते हैं, जबकि डिजिटल पोर्टल अपने ब्रांड के लिए प्रिंट विशेषांक या ई-पेपर निकालते हैं। प्रिंट मीडिया अब भी उन पाठकों के बीच लोकप्रिय है जो खबरों की गहराई और विश्लेषण को महत्व देते हैं, जबकि डिजिटल मीडिया तेज़ अपडेट और विविध स्त्रोतों के कारण युवा पीढ़ी के बीच अधिक प्रभावशाली है।

भविष्य की चुनौतियों की बात करें तो सबसे पहले, पत्रकारिता को विश्वसनीयता बनाए रखने की चुनौती है। सूचना की अधिकता के इस दौर में सही और गलत का अंतर पहचानना कठिन होता जा रहा है। फेक न्यूज़, डीपफेक वीडियो और बॉट्स द्वारा फैलाई जाने वाली सामग्री पत्रकारिता के मूल उद्देश्य, सत्य को कमजोर कर सकती है। दूसरी चुनौती है आर्थिक मॉडल की। प्रिंट मीडिया विज्ञापन पर निर्भर था, लेकिन डिजिटल मीडिया के मुफ्त कंटेंट मॉडल ने संस्थानों की आय संरचना को अस्थिर कर दिया है। सदस्यता आधारित मॉडल, प्रायोजित सामग्री और पेड न्यूज़ जैसे रास्ते खोजे जा रहे हैं, पर इनमें भी स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बनाए रखना कठिन है।

तीसरी बड़ी चुनौती है पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता। डिजिटल युग में न केवल भौतिक हमलों का खतरा है, बल्कि ऑनलाइन ट्रोलिंग, हैकिंग और चरित्र हनन जैसे नए खतरे भी हैं। इसके साथ ही, राजनीतिक और कॉर्पोरेट दबाव भी एक गंभीर समस्या है, जो खबरों की दिशा और स्वर को प्रभावित करता है।

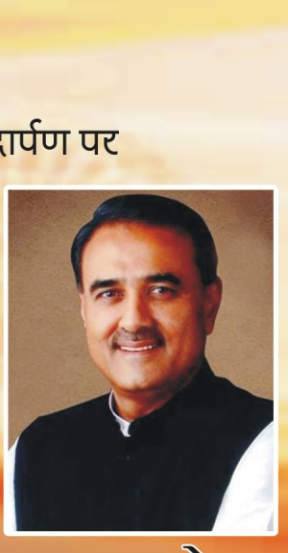

भविष्य में पत्रकारिता को टिकाऊ बनाने के लिए प्रिंट और डिजिटल दोनों माध्यमों को अपनी ताकतों को एकजुट करना होगा। प्रिंट की गहराई और भाषा की शुद्धता को डिजिटल की गति और व्यापकता के साथ जोड़ा जाए, तो यह पत्रकारिता के लिए एक नया स्वर्णयुग ला सकता है। साथ ही, मीडिया संस्थानों को तकनीकी साक्षरता, डेटा पत्रकारिता, और पाठकों के साथ भरोसेमंद संबंधों पर ध्यान देना होगा।

अंततः, पत्रकारिता चाहे किसी भी माध्यम से हो, उसका मूल उद्देश्य है सत्ता से सवाल करना, जनता के हित में सच को उजागर करना, और समाज में विचारशील बहस को जीवित रखना। अगर प्रिंट और डिजिटल दोनों माध्यम इस मूल उद्देश्य से जुड़े रहें, तो भविष्य की चुनौतियां..... **शेष पृष्ठ २ पर**.

अवसर में बदल सकती हैं, और पत्रकारिता फिर से वह ताकतवर चौथा स्तंभ बन सकती है, जिसकी लोकतंत्र को सख्त जरूरत है।

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, क्योंकि यह शासन, न्यायपालिका और विधायिका के साथ मिलकर व्यवस्था के संतुलन को बनाए रखने का कार्य करती है। किंतु आज के दौर में, जब सूचना का विस्फोट हो चुका है और मीडिया के हर रूप पर कई तरह के दबाव हैं, पत्रकारिता की ताकत और उसकी विश्वसनीयता को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। अगर पत्रकारिता को फिर से अपने वास्तविक गौरव और ताकतवर चौथे स्तंभ के रूप में स्थापित करना है, तो उसे न केवल अपनी बुनियादी जिम्मेदारियों को याद रखना होगा, बल्कि नए युग की आवश्यकताओं और खतरों को भी गंभीरता से समझना होगा।

सबसे पहले, पत्रकारिता को अपने मूल सिद्धांत, सत्य, निष्पक्षता और जनहित को हर हाल में सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जब खबरें विज्ञापन, राजनीतिक प्रभाव या कॉर्पोरेट हितों के दबाव में बनती हैं, तब पत्रकारिता अपनी आत्मा खो देती है। ताकतवर बनने का मतलब सत्ता से दोस्ती करना नहीं, बल्कि जनता के हित में सत्ता से सवाल पूछने की हिम्मत रखना है। यह हिम्मत तभी संभव है जब पत्रकार और संस्थान आर्थिक और वैचारिक रूप से स्वतंत्र हों। इसके लिए मीडिया को ऐसे वित्तीय मॉडल विकसित करने होंगे जो विज्ञापनों और राजनीतिक अनुदानों पर निर्भर न हों, बल्कि पाठकों, दर्शकों और समुदाय की सीधी भागीदारी पर आधारित हों।

दूसरा, पत्रकारिता को तथ्य-जांच की प्रक्रिया को पहले से भी अधिक कठोर बनाना होगा। डिजिटल युग में फेक न्यूज़ और अफवाहें बिजली की गति से फैलती हैं। ऐसे में बिना पुष्टि के कोई भी जानकारी प्रकाशित करना न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि समाज में अविश्वास, नफरत और भ्रम पैदा करने का कारण भी बन सकता है। एक ताकतवर चौथा स्तंभ वही है, जो सूचना के स्रोत, उसकी प्रामाणिकता और संदर्भ को पूरी तरह परखे बिना उसे जनता तक न पहुँचाए। इसके लिए पत्रकारों को डेटा विश्लेषण, तकनीकी उपकरणों और स्रोत-प्रबंधन में दक्ष होना आवश्यक है। तीसरा, पत्रकारिता में विविधता और समावेश को प्राथमिकता देनी चाहिए। देश की आवाज़ केवल महानगरों, सत्ता गलियारों या लोकप्रिय चेहरों तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

गांवों, हाशिए पर खड़े समुदायों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और युवाओं की समस्याएं भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। जब मीडिया हर वर्ग और हर क्षेत्र की आवाज़ बनेगा, तभी वह वास्तव में जनता का स्तंभ कहलाएगा। इसके लिए संपादकीय नीति में स्पष्ट प्रतिबद्धता होनी चाहिए कि खबर का मूल्यांकन उसकी सामाजिक उपयोगिता से होगा, न कि उसकी व्यावसायिक लाभप्रदता से।चौथा, पत्रकारिता को अपनी भाषा, प्रस्तुति और नैतिकता पर भी गंभीर ध्यान देना होगा। सनसनीखेज हेडलाइंस, भ्रामक आंकड़े, या आक्रामक बहसों का शोर दर्शकों को आकर्षित कर सकता है, लेकिन यह दीर्घकालिक भरोसा नहीं बना सकता। भरोसा बनाने के लिए संयमित भाषा, संतुलित दृष्टिकोण और विश्लेषणात्मक प्रस्तुति जरूरी है। पत्रकारिता केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग नहीं, बल्कि उनके पीछे छिपे कारणों और उनके संभावित परिणामों को समझाना भी है।

पांचवां, पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता को कानूनी और संस्थागत रूप से मजबूत करना होगा। एक भयमुक्त वातावरण के बिना पत्रकारिता कभी भी ताकतवर नहीं हो सकती। पत्रकारों को न केवल भौतिक हमलों से बचाने की जरूरत है, बल्कि उन्हें ऑनलाइन ट्रोलिंग, चरित्र हनन और पेशेवर उत्पीड़न से भी सुरक्षित रखना आवश्यक है। इसके लिए स्वतंत्र प्रेस परिषद, मीडिया वॉचडॉग संस्थाएं और अंतरराष्ट्रीय सहयोगी नेटवर्क की भूमिका अहम हो सकती है।

छठा, पत्रकारिता को तकनीकी प्रगति के साथ कदम मिलाना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा और मोबाइल जर्नलिज्म जैसे उपकरणों का सही और जिम्मेदार इस्तेमाल करके पत्रकारिता न केवल तेज़ और सटीक हो सकती है, बल्कि ज्यादा पारदर्शी और सबूत-आधारित भी बन सकती है। साथ ही, तकनीक का उपयोग करते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि मानवीय संवेदनाएं, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी हमेशा केंद्र में रहें।

अंततः, पत्रकारिता को फिर से ताकतवर चौथा स्तंभ बनाने का रास्ता कठिन जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। इसके लिए सबसे पहले पत्रकारों और मीडिया संस्थानों को यह तय करना होगा कि वे किसके प्रति जवाबदेह हैं] सत्ता के प्रति या जनता के प्रति। अगर जवाब जनता है, तो हर खबर, हर संपादकीय और हर मंच पर यही सिद्धांत दिखना चाहिए। जब पत्रकारिता अपने मूल उद्देश्य, सत्ता को जवाबदेह बनाना, समाज को जागरूक करना और लोकतंत्र को मजबूत करना के प्रति ईमानदार होगी, तब ही वह फिर से वह अडिग और सम्मानित स्तंभ बन पाएगी, जिसके सहारे लोकतंत्र की इमारत खड़ी रहती है।

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

रिंकु मनोहर आसवानी
सचिव, गोंदिया शहर भाजपा

श्री मनोहर आसवानी
वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

भाऊराव उके
सभापति
कृषि उत्पन्न बाजार समिती, गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस एवं बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं

अमन तिगाला
गोंदिया जिला अध्यक्ष
NSUI

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

विनायक गजघाट
GST : 27AALFG8429L1ZR LLP Identity No. : AAA-8123
SINCE 2012 Reliable SINCE 2012
FRESH
PACKAGED DRINKING WATER
G.V. Beverages LLP
Plot No . 25, At.+Po. - Sawari, Th.+Dist. - Gondia - 441601 (Maharashtra)
Mob.: 901 101 9535, 916 882 3366 Email : gvbeveragesllp01@gmail.com
OUR COMPANY IS A PROUD LICENSEE OF BUREAU OF INDIAN STANDARDS, NATIONAL STANDARDS BODY OF INDIA

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
मित्तल गैस इंडस्ट्री
MEDICAL & INDUSTRIAL GAS MANUFACTUR
Site : Plate No. 26, MIDC Mundipar. Toroda Road, Gondia
Office : Aadhya Hospital, Rajabhoj Coloniy, Ring Road, Gondia (M.S.)
Mob. : 9326826785, 7276428707

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

TOYAL TRAVELS
Opp. Punjab National Bank, Main Road, Gondia
Mob.: 8208667918, 9326049069
E-mail: royal.travels@rediffmail.com

Skill India
प्रवेश प्रारंभ...
रणयोग बहुउद्देशिय शिक्षण संस्था आमगांव (रजि.नं.-138/16 एफ 2249 (गों.) अंतर्गत)
NCVT/DGET (दिल्ली) व DVET (मुंबई) द्वारा मान्यता प्राप्त
शिवणकर I.T.I. &
चेतना पॅरामेडीकल कॉलेज आमगांव
DMLT २ वर्ष-१०/१२ वी पास
NURSING १ वर्ष-१० वी पास
आर्ट, कॉमर्स व सायन्सच्या विद्यार्थ्यांसाठी सुवर्ण संधी
फिटर २ वर्ष-१० वी पास
इलेक्ट्रीशियन २ वर्ष-१० वी पास
Job Opportunities For Students
Pathologist/ Lab Technician
Midwifery/ Bed side Assistent Schools for Disable
Febrication Work, Govt./Privet Sector Industry etc.
Electrician Work, Govt./Privet Sector MSEB etc.
D.M.L.T. पास विद्यार्थ्यांना महाराष्ट्र पॅरामेडिकल कॉन्सीलमध्ये रजिस्ट्रेशन करण्याची संधी उपलब्ध.
देवरी रोड, ग्रामीण रुग्णालय जवळ, आमगांव (गणेशपुर)
M. 8329472478,7620980335,8830132562

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षागांठ व स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

नेहा नायक
पुर्व पार्षद, नगर परिषद, गोंदिया

रॉकी नायक
सामाजिक कार्यकर्ता, गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

नेहा विक्रम बहेलिया विक्रम कैलाश बहेलिया

गर्वित मोहन अग्रवाल

काव्या मोहन अग्रवाल

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

विभोर अग्रवाल

मीरावंत

MEERAVANT
CRITICAL CARE HOSPITAL

क्रिटिकल केयर चेरिटेबल हॉस्पीटल
एवं डेंटल हॉस्पीटल

डॉ. सोनाली रा. वैद्य (शेंडे)
BDS. Nagpur, MDS. Mumbai
(Conservative Dentistry & Endodontics)
(Root Canal Specialist)
OPD TIME - 12.00 AM TO 3.00 PM
7.00 PM TO 9.00 PM

डॉ. राजेन्द्र य. वैद्य
MBBS, MD (Medicine)
सल्लागार चिकित्सक
हृदय रोग व मधुमेह रोग तज्ञ
OPD TIME - 11.00 AM TO 4.00 PM
6.00 PM TO 9.00 PM

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ.नितेश बाजपाई
चेयरमेन, बालाजी फाऊंडेशन, गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

राज शुक्ला
युवा नेता, राकांपा गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

हरिकिशन चौधरी
सामाजिक कार्यकर्ता
गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

श्री राजकुमार कुथे
पुर्व सभापति, न.प.गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

मुन्ना बेन्द्रे
सामाजिक कार्यकर्ता, गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

माधुरी नासरे
अध्यक्ष, महिला अर्बन बैंक लि., गोंदिया
व महिला राकांपा शहर अध्यक्ष गोंदिया जिला

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

श्री सुनील तिवारी
पुर्व सभापति, न.प. गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

श्री विष्णु नागरिकर
पुर्व सभापति, न.प.गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

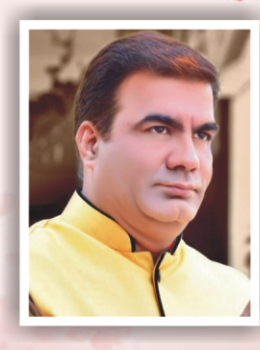

अनिल हुंदानी
सामाजिक कार्यकर्ता, गोंदिया

शासकीय मेडिकल कॉलेज तीसरे वर्ष के छात्र ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या का प्रयास सुसाइड नोट में प्रोफेसर पर प्रताड़ना का लगाया आरोप

बुलंद गोंदिया। गोंदिया के शासकीय मेडिकल कॉलेज के तीसरे वर्ष के राजस्थान निवासी छात्रा ने 10 व 11 अगस्त की मध्य रात्रि 2 से 2ः30 बजे के दौरान अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। जिसने अपने सुसाइड नोट में कॉलेज के प्रोफेसर पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। गोंदिया के शासकीय मेडिकल कॉलेज के वर्ष 2022 की बैच तीसरे वर्ष के राजस्थान निवासी छात्र द्वारा 10 व 11 अगस्त की मध्य रात्रि 2 से 2ः30 बजे के दौरान सिविल लाइन स्थित अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया जिसे उसके सहपतियों द्वारा कमरे का

दरवाजा तोड़कर बचाया गया। इसके पूर्व उसने अपने सुसाइड नोट में लिखकर अपने सहपाठी को व्हाट्सएप किया था सुयोग से समय पर सहपाठी द्वारा आत्महत्या का प्रेस नोट देखे जाने पर तत्काल अन्य सहयोगियों के साथ उसके रूम पर पहुंचकर कमरे के दरवाजे को तोड़कर छात्र को फांसी के झूलते फंदे से उतर कर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा गया। समाचार लिखे जाने तक छात्र की स्थिति सामान्य बताई गई। तथा इस मामले में शहर पुलिस थाने में भी मामला दर्ज किया गया है।

दो महीने से प्रोफेसर कर रहा था प्रताड़ित मेडिकल के छात्र द्वारा अपने सुसाइड नोट में प्रोफेसर बागड़े पर आरोप लगाया कि दो माह से वे उसे प्रताड़ित कर रहे थे तथा उनके परिवार के खिलाफ भी अनाप-शनाप बोल बोलते थे। जिससे वह आत्महत्या का कदम उठा रहा है। साथ ही सुसाइड नोट में बहुत कुछ लिखा हुआ है जो समाचार में प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

» छात्रों ने किया आंदोलन

प्रोफेसर द्वारा प्रताड़ित किए जाने के चलते तीसरे वर्ष के मेडिकल छात्रा द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। अपने सहपाठी पर हो रहे अत्याचारों को लेकर मेडिकल छात्रों द्वारा आक्रोश व्यक्त कर मामले की कड़ाई से जांच कर दोषी प्रोफेसर पर कार्रवाई की मांग की।

जांच समिति का गठन 48 घंटे में मिलेंगी रिपोर्ट

मेडिकल छात्रा के आत्महत्या प्रकरण में तीन वरिष्ठ प्रोफेसर की जांच समिति नियुक्त कर 48 घंटे में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है रिपोर्ट प्राप्त होते ही संबंधित दोषी पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। **कुसुमाकर घोरपडे डिन शासकीय मेडिकल कॉलेज गोंदिया।**

स्वतंत्रता दिवस एवं बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं

जितेन्द्र पंचबुध्दे
पुर्व सभापति, नगर परिषद गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर एवं बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं

अशोक (गप्पु) गुप्ता
जिला उपाध्यक्ष
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर एवं बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं

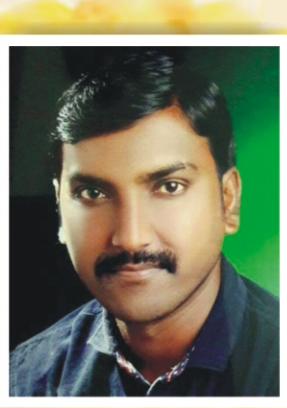

नितु बिरिया
पूर्व सभापति, न.प.गोंदिया

अमित बिरिया
सामाजिक कार्यकर्ता, गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर एवं बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं

निर्मला मिश्रा
पुर्व पार्षद
प्रभाग क्र.१७
नगर परिषद, गोंदिया

सचिन (बंटी) मिश्रा
अध्यक्ष
गोंदिया जिला मजुर
सहकारी संघ, गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

क्रांती जायसवाल
पुर्व पार्षद, न.प.गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस एवं बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं

सचिन शेंडे
पूर्व सभापति,
नगर परिषद, गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर
एवं
बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं

मेरी माटी मेरा देश

एक शुभेच्छु

वीर शहिदों को नमन

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

आशिष ठकरानी
शहर सचिव
भाजपा, गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

लोकेश (कल्लु) यादव

आपको जन्मदिवस की हार्दिक बधाईयाँ....

– :शुभेच्छुक :–

मित्र परिवार, गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर एवं बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर

हार्दिक शुभकामनाएं

शकिल मंसुरी

पुर्व सभापति नगर परिषद, गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

प्रिय मित्र
लोकेश (कल्लु) यादव
को जन्म दिन की
हार्दिक बधाईयां

अखिलेश सेठ

अध्यक्ष
हॉटेल रेस्टारंट एसो.गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर एवं बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर

हार्दिक शुभकामनाएं

हर्ष विनोदकुमार मोदी

सरपंच - ग्रामपंचायत सौंदड

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

राईस मिलर्स एशोसिएशन, गोंदिया

जिला गोंदिया (महाराष्ट्र)

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

राकेश ठाकुर
पुर्व सभापति नगर परिषद, गोंदिया

शीलु राकेशसिंग चौहान
पुर्व पार्षद, प्रभाग क्र.७, नगर परिषद, गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

संजय मुरकुटे

गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर एवं
बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं

धर्मेश (बेबी) अग्रवाल

पूर्व सभापति, बांधकाम
न.प.गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर एवं
बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर

बधाईयाँ...

विजय ऊके

संचालक
कृषि उत्पन्न बाजार समिति, गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर एवं बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर

हार्दिक शुभकामनाएं

योगराज रहांगडाले

जिला अध्यक्ष, राशन दुकान संघटन
नागरा जि.प. क्षेत्र प्रमुख

नन्हीं कड़ी में.... दिन विशेष -मेरा आजाद देश...

आजादी हर एक प्राणी को सबसे प्रिय होती है। कोई भी प्राणी चाहे वो मनुष्य हो या कोई पशु-पक्षी हो, हर कोई खुले आसमान के नीचे आजादी से विचरण करना चाहता है। हमारे पूर्वजों ने गुलामी का दंश सहा है, उनके अथक प्रयासों और बलिदानों से आज हम सभी आजादी की खुशबू को महसूस करते हुए, खुली हवा में श्वासें ले रहे हैं। आज हमारा देश आजादी का 79 वां पर्व मना रहा है। आजादी के इस शुभ अवसर पर भारत सरकार द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन पिछले कुछ वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। कुछ वर्ष पहले तक केवल सरकारी कार्यक्रमों, सरकारी दफ्तरों, स्कूलों और कुछ सामाजिक संगठनों द्वारा ही तिरंगा झंडा फहराया जाता था। लेकिन आजादी के इस सुंदर अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत आम नागरिक भी अपने घरों में तिरंगा झंडा फहरा कर गर्व का अनुभव कर सकते हैं। हमें केवल इतना ध्यान रखना है कि किसी भी प्रकार से हमारे राष्ट्रध्वज तिरंगे की मर्यादा और सम्मान को ठेस न पहुँचे। हमें पूरे आदर के साथ शासकीय निर्देशानुसार अपने घर की छत पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना चाहिए। ध्यान रहे कि यह अनुमति केवल 15 अगस्त तक ही है। इस तारीख के बाद हमें अपने घर या किसी भी निजी कार्यक्रम में झंडा नहीं फहराना है। देश की आन-बान-शान — तिरंगा झंडा — हम सभी भारतवासियों की शान है। आज के इस सोशल मीडिया के समय में हमें अपने घर में राष्ट्रीय ध्वज के साथ एक सेल्फी भी अवश्य लेनी चाहिये। 15 अगस्त की यह अनमोल तारीख हम सभी को क्यों प्रिय है यह तो हर कोई जानता ही है। 15 अगस्त के दिन हमारा भारत देश अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था। आजादी के 78 वर्ष पूर्ण हो चुके है। 15 अगस्त दिन निमित्त हर स्कूल कालेज और सामाजिक संगठनों के द्वारा ध्वज वंदन का कार्यक्रम मनाया जाता है। आखिर हम सभी क्यों चाहते हैं कि हमारे बच्चे इन कार्यक्रमों में सहभाग करें ? मित्रों, इस सवाल का छोटा-सा जवाब यह है कि हमारे बच्चे देश के इतिहास से सीख लेकर संघर्ष के बाद मिली आजादी की कीमत समझ सकें और देश प्रेम की भावना को अपने दिल की गहराइयों तक पहुँचा सकें तथा सदैव अपने देश के प्रति सम्मान की भावना को अपने दिल में बसाए रखें। आजादी के इस सुनहरे महोत्सव में हमारे देश में अनेक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। अंग्रेजों की गुलामी से तो हम 78 वर्ष पहले ही मुक्त हो गए थे, परंतु असमानता, अंधविश्वास, ऊँच-नीच, जाति-पांति और अन्य कई बुराइयों की गुलामी से हम अब तक आजाद नहीं हो पाए हैं। आखिर कब तक यह असमानता की भावना घर बनाए बैठी रहेगी ? क्यों नहीं हम सब एक देश के संतान होने के बाद भी भाई-भाई का रिश्ता कायम नही रख पाए हैं ? क्या हम गुलामी की जंजीरों को तोड़ पाए है ? आज भी हम गुलाम हैं समय की कमी के, हम मोह-माया के बंधनों के भी गुलाम है। इस गुलामी के कारण हम अपने समाज, परिवार, मित्रों और रिश्तेदारों को भी समय नहीं दे पाते। शायद यही सबसे बड़ा कारण है कि हमारे देश के लोग सर्वगुण संपन्न होते हुए भी एकता के बंधन में बंध नहीं पाए हैं। जब तक हम सभी 卐मुझे क्या करना है...卐 वाली सोच से बाहर नहीं आएंगे हमारे ऊपर हमेशा किसी न किसी प्रकार से पीड़ित होते रहने का डर बना रहेगा। आओ, आज हम सभी आजादी की पावन बेला के शुभ अवसर पर यह प्रण करे कि हम सभी मोह-माया की गुलामी से आजादी लें, अपने देश के लिए कुछ समय निकालें और तभी हम इस तरह से सच्ची आजादी का आनंद उठा सकते है....

तमन्ना मतलानी- गोंदिया

साप्ताहिक समाचार पत्र बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ
एवं स्वतंत्रता दिवस की समस्त गोंदिया विधानसभावासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
गोपालदास अग्रवाल
पूर्व विधायक
गोंदिया विधानसभा

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर
एवं
बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ की
हार्दिक शुभकामनाएं
राजेन्द्र जैन
पुर्व विधानपरिषद सदस्य
गोंदिया-भंडारा

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर
एवं
बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ की
डॉ.प्रशांत पडोले
सांसद : गोंदिया-भंडारा
लोकसभा क्षेत्र

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त की एवम् बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगाँठ पर
हार्दिक शुभकामनाएँ
श्रीमती रजनीताई कुंभारे
सभापति समाज कल्याण विभाग
जिला परिषद, गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस की एवम् समाचारपत्र बुलंद गोंदिया के
पांचवी वर्ष की वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएँ...
पंकज रहांगडाले
पूर्व अध्यक्ष
जिला परिषद, गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस एवं बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ पर
हार्दिक शुभकामनाएं
सुनिल केलनका
जिला महामंत्री
भारतीय जनता पार्टी, गोंदिया

बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगांठ व स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
कशिश जायसवाल
पुर्व नगराध्यक्ष, नगर परिषद गोंदिया

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त की
एवम्
बुलंद गोंदिया की पांचवी वर्षगाँठ पर
हार्दिक शुभकामनाएँ
रोशन जायसवाल
युवा उद्योगपति, गोंदिया

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।